चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	19.02.25	12	2-6

मशरूम उत्पादन किसानों के लिए फायदेमंद

- हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनों एसीड्ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. पवित्रा मोर्य पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हिसार। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते मुख्य अतिथि डॉ. मदन खीचड़, साथ हैं डॉ. अशोक गोदारा। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	19.02.25	5	6-8

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 18 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनों एसीड्ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है। उन्होंने बताया कि मशरूम का उपयोग भोजन व औषधि के रूप में किया जाता है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. पवित्रा मोर्य पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रतिभागियों के साथ अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	19.02.25	5	7-8

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

मुख्य अतिथि प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित करते हुए

हिसार, 18 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19.02.25	4	3

एचएयू में 74 युवाओं ने लिया 'मशरूम उत्पादन तकनीक' का प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19.02.25	4	7-8

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण हुआ

हिसार| एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विवि के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है, क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनों एसीड्ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	18.02.2025	--	--

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। डॉ. खीचड़ ने बताया कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक

अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनों एसीड्ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रूझान बढ़ा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	18.02.2025	--	--

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार,। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सावना नैहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के

प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह भंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो एसीड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है।

उन्होंने बताया कि मशरूम का उपयोग भोजन व औषधि के रूप में किया जाता है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. पवित्रा मोर पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	19.02.2025	--	--

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो एसीड्ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होंने बताया कि मशरूम का उपयोग भोजन व औषधि के रूप में किया जाता है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. पवित्रा मोर्य पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	19.02.25	--	--

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने

बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं।